वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 215 | रविवार 3 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर एयरपोर्ट पर सेना का विमान पोल से टकराया

लैंडिंग के बाद पार्किंग के दौरान लाइट के पोल से टकरा गया, माइनर डैमेज भी हुआ

जयपुर. कासं। जयपुर एयरपोर्ट पर शनिवार को वायु सेना का विमान लैंडिंग के बाद पार्किंग के दौरान हाई मास्क लाइट के पोल से टकरा गया। इससे विमान में माइनर डैमेज भी हुआ है। इसकी वजह से विमान आज टेक ऑफ नहीं कर पाएगा। इस पूरे घटनाक्रम में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। जयपुर एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया- रनवे संख्या 39 पर वायु सेना का विमान आज दोपहर बाद पार्क हो रहा था। उसी वक्त एयरपोर्ट पर लगी हाई मास्क लाइट से विमान का पिछला हिस्सा टकरा गया। इसकी वजह से विमान और हाई मास्क लाइट का पोल क्षतिग्रस्त भी हो गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने विमान और हाई मास्क लाइट दोनों को सही करने का काम शुरू कर दिया है। विमान के सही होने के बाद इसकी तकनीकी जांच करवाई जाएगी। इसके बाद अब विमान रविवार को ही उड़ान भर सकेगा।

गाइडेंस की कमी से पायलट विमान को सही से पार्क नहीं कर पाए

जयपुर एयरपोर्ट पर हुए इस घटनाक्रम की शुरूआती जांच में पता चला है कि ग्राउंड स्टाफ की गाइडेंस की कमी से पायलट विमान को सही से पार्क नहीं कर पाए। इसकी गफलत में यह हादसा हुआ है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम की एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जांच जारी है।

आज बनेगी 'सरकार'

अगले पांच साल किसकी सरकार रहेगी। ये रविवार को साफ हो जाएगा

जयपुर. कासं

राजस्थान में अगले पांच साल किसकी सरकार रहेगी। ये रविवार को साफ हो जाएगा। 25 नवंबर को जो वोटिंग हुई, उसकी काउंटिंग रविवार सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी। जो 383 राउंड में पूरी होगी। जयपुर में 19 विधानसभा सीटों के वोटों की मतगणना जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज और कॉमर्स कॉलेज में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया- मतगणना के लिए दोनों कॉलेजों में 332 टेबल लगाई गई हैं। इसमें 236 टेबलों पर ईवीएम में आए वोटों की काउंटिंग होगी, जबकि 96 टेबलों पर पोस्टल बैलेट की काउंटिंग करवाई जाएगी।

सबसे कम 18 राउंड में होगी काउंटिंग

निर्वाचन अधिकारी ने बताया- जयपुर की 19 सीटों पर होने वाली मतगणना 18 से लेकर 23 राउंड में पूरी की जाएगी। सबसे कम राउंड सिविल लाइंस विधानसभा में होंगे, जहां 209 बूथों की काउंटिंग के लिए 12 टेबल लगाई गई है। यहां 18 राउंड में गणना पूरी होकर रिजल्ट जारी किया जाएगा। संभावना है कि सबसे पहले रिजल्ट इसी विधानसभा क्षेत्र का घोषित हो। इसके बाद किशनपोल, मालवीय नगर, दूदू, आदर्श नगर सीटों का रिजल्ट आने की संभावना है, क्योंकि यहां 19-19 राउंड में काउंटिंग खत्म हो जाएगी। दूदू में सदस्य कम होने के कारण इसका भी रिजल्ट जल्दी आने की

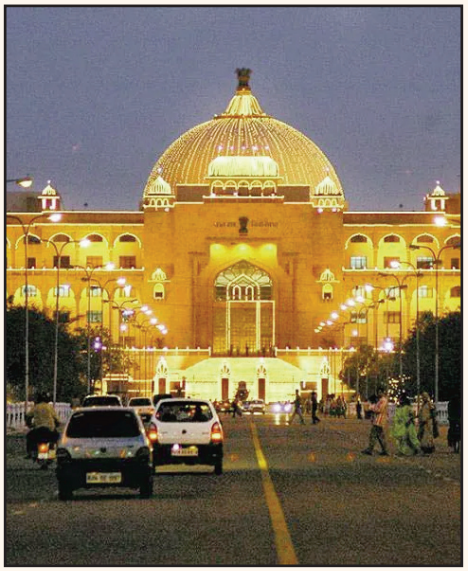

संभावना है। इस बार झोटवाड़ा विधानसभा का रिजल्ट सबसे लेट आ सकता है। 360 बूथों की काउंटिंग के लिए 16 टेबल लगाई हैं। जिन पर 23 राउंड में वोटिंग पूरी होगी। इसी तरह बगरू का रिजल्ट भी इस बार देरी से आएगा। यहां भी 23 राउंड में काउंटिंग होगी। यहां बूथों की संख्या कम होने से रिजल्ट झोटवाड़ा से थोड़ा पहले आ सकता है।

38वें एनुअल स्पोर्ट्स डे पर 615 स्टूडेंट्स ने किया प्रदर्शन

एस्पिरेशन डेयर टू विन में हुई स्पोर्ट्स एक्टिविटी, एस .जे पब्लिक स्कूल के एनुअल स्पोर्ट्स सेरेमनी का समापन

जयपुर. कासं

बास्केट बॉल, हो या वॉलीबॉल जोश और उत्साह के साथ स्टूडेंट्स ने खेल के मैदान में दिया एक दुसरे को कड़ी चुनौती । ये नजारा था एस .जे पब्लिक स्कूल का जहां स्टूडेंट्स एनुअल एक्टिविटी के तहत तरह तरह के गेम खेलते गये दिखे ।जनता कॉलोनी स्थित एस.जे. पब्लिक स्कूल में शनिवार को 38 वे एनुअल स्पोर्ट्स ₹ एस्पिरेशन डेयर टू विन की क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की गयी । इस दो दिवसीय कार्यक्रम में स्कूल के गर्ल्स और बॉयज ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपने हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी, एस बी आई ऑफिसर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ रहे ।विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष सुभाष गोलेछा एवं प्रबंध समिति के माननीय सदस्यों

की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्कूल प्रिंसिपल नीरज बेनीवाल ने मुख्य अतिथि एवं शिक्षा समिति के पदाधिकारी गण का स्वागत किया' इस अवसर पर स्कूल स्टूडेंट्स द्वारा गणेश वंदना, स्वागत गीत एवं रंगारंग प्रस्तुति के साथ कार्यकम की शुरूआत की गयी । स्कूल की हेड गर्ल दक्षी शर्मा ने वैल्कम स्पीच प्रस्तुत किया ।स्कूल स्टूडेंट्स के द्वारा प्रस्तुत कराटे प्रस्तुति सराहनीय रही ।स्कूल प्रिंसिपल नीरज बेनीवाल ने एनुअल खेलकूद रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं समस्त खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रदान की ।मुख्य अतिथि जाखड़ ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में कीर्तिमान स्थापित कर स्कूल का गौरव बढ़ाने वाले स्टूडेंट्स को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया साथ ही उन्होंने बास्केट बॉल, वॉलीबॉल ,क्रिकेट, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो एवं विभिन्न प्रकार की दौड़ में विजेता रहे खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया' । उन्होंने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को निरंतर दृढ़ संकल्प और निष्ठा के साथ अग्रसर होते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष सुभाष जी गोलेछा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें असफलता से ना घबरा कर निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल नीरज बेनीवाल ने अपने स्टूडेंट को संबोधित किया और खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उनकी हौसला अफजाही की। इस ऐनुअल स्पोर्ट्स सेरेमनी में 615 स्टूडेंट्स ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल का इंस्टॉलेशन सेरेमनी संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। शनिवार 2 दिसम्बर को लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल का इंस्टॉलेशन सेरेमनी व चार्टर डे ई.पी. के ब्लू प्लूटो में सम्पन्न हुआ, जिसमे लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233 ए 1 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला.ओ.पी. गग्गर,शपथ अधिकारी के रूप में पी.डी. जी. ला. प्रभा सिंघी, रीजन चेयरपर्सन ला.शंकर सिंह जी, जोन चेयरपर्सन ला. सुरेंद्र सिंह जी, व क्लब स्पोंसर कर्ता ला. एल.सी. भारतीय जी की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी अतिथियों के साथ साथ क्लब अध्यक्ष ला. रानी पाटनी, सचिव सुजाता, कोषाध्यक्ष मंजू पूरी के साथ क्लब की सभी सदस्याओं की उपस्थिति में लाइव प्रोजेक्ट के माध्यम से जरूरतमंदों के लिए10 ऊनी कम्बल, 10 ऊनी बनियान बच्चों के, 10 ऊनी टोपे, 24 जोड़ी मोजे व एक सिलाई मशीन सहायतार्थ प्रदान की गई। इस शुभ अवसर पर ला. भारतीय जी द्वारा क्लब को ग्यारह हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया गया।

नेमीनाथ भगवान के जयकारों के साथ आज रवाना हुआ 201 यात्रियों का दल

फागी. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 22 में तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की मोक्षस्थली पावन सिद्ध क्षेत्र गिरनार पर्वत पर वन्दना हेतु महावीर प्रसाद, विनोद कुमार , कैलाश चंद पाटनी परिवार उरसेवा निवासी की अगुवाई में मदनगंज किशनगढ़ के जैन भवन से आज प्रातः 201 यात्रियों का दल नेमीनाथ भगवान के जयकारों के साथ रवाना हुआ। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने उक्त कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि कार्यक्रम में उक्त यात्रा दल में शामिल सभी महिलाएं - पुरुषों को अपने अपने परिजनों सहित सारे समाज ने यात्रा की मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा संयोजक केलास पाटनी उरसेवा निवासी ने अवगत कराया कि उक्त यात्रा दल अजमेर, सराधना, पिपलाज, ब्यावर, सोजत सिटी,पाली, सिरोही शहर होता हुआ श्री विजय बल्लभ साधना केन्द्र जेतपुरा पहुंचा। जहां पर सारे यात्रियों ने जिनालय में दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया तथा सभी यात्रियों ने स्वरूचि भोज कर यहा से प्रस्थान कर प्रसिद्व तीर्थ क्षेत्र जीरावाला में चमत्कारिक जिन प्रतिमा पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन किए, तथा रात्रि में प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र, विभिन्न मुनि आचार्यों की मोक्षस्थली तारंगा जी में रात्रि विश्राम किया।

रामलक्ष्मण मीणा को नेशनल सेव द ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया

बूंदी. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय स्तर पर पंजाब राज्य के भठिण्डा में हेल्प फोर नीडी फाउण्डेशन द्वारा दो दिसंबर को रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी संस्थापक ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर को सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करने पर नेशनल सेव द ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रामलक्ष्मण मीणा को निःशुल्क सामाजिक सेवाये देने पर दिया गया। रामलक्ष्मण मीणा वर्तमान में सामान्य चिकित्सालय बूंदी में कार्यरत हैं जोकि अपनी ड्यूटी के अलावा पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधा वितरण और पौधारोपण कार्य,जरुरतमंद लोगों की मदद, विधार्थियों की मदद,अनाथ व बेसहारा बच्चों की मदद, रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान, पक्षियों के लिए परिन्दा बांधना जैसी अनेक सामाजिक सेवाओं में भागीदारी निभा रहे हैं। इस सम्मानित समारोह में रक्तवीरों ने रक्तदान किया और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से नाट्य कला द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां दी ताकि स्वास्थ्य पर पड रहे विभिन्न प्रकार के खतरों से सावधान हो सके और अपने जीवन को स्वस्थ बना सके।

पारसनाथ जी के जयकारों से पिड़ावा गूंजे रे, पिड़ावा चालो रे...

श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य संगीतमय रथयात्रा

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। पिड़ावा राजस्थान प्रांत की वीर प्रस्वनी धरा पर सुदूर दक्षिण पूर्व में स्थित मालवा अंचल से जुड़ी झालावाड़ जिले की धर्ममय नगरी पिड़ावा में शताब्दियों से चली आ रही परंपरा अनुसार सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वधान में इस वर्ष भी देवाधिदेव श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य रथ यात्रा सुव्रत सागर महाराज के पावन सानिध्य में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। भव्य संगीतमय रथयात्रा महोत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास व धूम धाम से किया गया। रथयात्रा महोत्सव में जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु पार्श्वनाथ भगवान की भव्य यात्रा महोत्सव में शामिल हुए। शानिवार को प्रातः 11 बजे श्रीजी की भव्य रथ यात्रा श्रद्धालुओं के द्वारा हाथो से खीच कर पांडु शीला ब्रह्मानंद नसिया जी के लिए प्रारंभ हुई। रथयात्रा में शामिल महिलाओं ने केसरिया व पुरुषों ने सफेद वस्त्र धारण कर रथ यात्रा की शोभा बढ़ाई। इस दौरान आचार्य 108 सुव्रत सागर महाराज का 12वां दीक्षा जयंती समारोह एवं पिच्छिका परिवर्तन का कार्यक्रम नयापुरा चबुतरे पर आयोजित किया गया। रथयात्रा सेठान मोहल्ला, खंडपूरा वीडियो चौराहा, नयापुरा, मेला मैदान होते हुए सूरजकुंड पहुची। इसके बाद श्री पारसनाथ भगवान का अभिषेक किया गया। जिसके बाद शाम को नयापुरा में आरती, भक्ति तत्पश्चात रात्रि 8 बजे धार्मिक संगीत मय भजन संध्या का आयोजन किया गया।

गुरु ब्रम्हानन्द सागर जी की पहल पर श्रावकों द्वारा खिंचा जाने लगा रथ

धर्ममय नगरी पिड़ावा में रथयात्रा लगभग 150 साल से भी अधिक समय से निकल जा रही है। लगभग 20 साल पूर्व पहले रथ को बेलों के द्वारा खींचा जाता था, लेकिन जब पहली बार ब्रह्मानंद सागर जी महाराज के चतुर्मास के दौरान उन्होंने बैलो से रथ को खिंचवाना जीवों को सताने वाला कार्य बताते हुए समाज के लोगों को संकल्प दिलाया की रथ को श्रावको द्वारा हाथों से खींचा जाए। तभी से समाज के लोगों ने परंपरा को कायम रखा और आज भी रथ को श्रद्धालुओं द्वारा हाथों से खींचा जाता है। समाज के बुजुर्ग बताते हैं कि वर्ष में एक बार सावन के 4 माह बाद अगहन मास में व संतों के चतुर्मास के बाद भगवान का नगर भ्रमण कराते हैं और भगवान को पूरे नगर में घुमाया जाता है। नगर भ्रमण के बाद सूरजकुंड पर भगवान की पूजन व कलश किये जाते हैं।

भव्य भक्तिमय रथयात्रा में ये रहे आकर्षण का केंद्र

भव्य भक्तिमय रथयात्रा महोत्सव में मध्य प्रदेश के बडनगर का सुप्रसिद्ध भारत बैंड के संगीतमय भजनों की प्रस्तुति पर युवक युवतियां झूमते रहे। रथ यात्रा महोत्सव से पूर्व सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से भव्य तैयारियां की गई। रथ यात्रा भव्य से भव्य बनाने के लिए मुख्य मार्गो को आकर्षक सजावट से सजाया गया। रथयात्रा के पूरे मार्ग पर गुब्बारे, फ्लावर, पतंग, छतरियों, रिबिन सहित अन्य चीजों से की गई आकर्षक सजावट ने नगरवासी सहित बाहर से आए श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

प्रशासन मुस्तैद

नगर नगर की शान भव्य रथ यात्रा मौसम में प्रशासन सहित पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। रथ यात्रा के पूरे मार्ग पर चप्पे-चप्पे जवानों की तैनाती रही।

यहां से आये श्रद्धालु

भव्य रथयात्रा महोत्सव में राजस्थान, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों से कई लोगों ने रथ यात्रा में सम्मिलित होकर का आनंद लिया। रथ यात्रा में कोटा, इंदौर, उज्जैन, झालावाड़, झालरापाटन, बारां, श्यामपुरा, सोयत, सुसनेर, अमरकोट, नलखेड़ा, उज्जैन, इंदौर, आगर, कारोडिया, सुनेल, भवानी मंडी, रटलाई, ताखला, मोड़ी, धतुरिया, चौमहला, सेमलखेड़ी, पगारिया कोटड़ी, खरपाकलां, पिपलोन, खानपुर, आदि क्षेत्रों के सैकड़ों लोग शामिल हुए ।

बैनर, पोस्टर लगाने की लगी होड़

भव्य रथ यात्रा महोत्सव पिड़ावा नगरी में कोरोना महामारी के कारण 2 वर्ष बाद निकाली जा रही है। भव्य रथयात्रा महोत्सव को लेकर जैन समाज ही नहीं अपितु अन्य समाजों में भी हर्षोल्लास दिखाई दे रहा है। रथयात्रा से 1 दिन पूर्व नगर में पोस्टर और बैनर लगाने की होड़ लगी रही। वरिष्ठ जन, युवाओं सहित बच्चों ने अतिथियों व बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जगह-जगह बैनर, पोस्टर लगाए।

रथयात्रा में शामिल महिलाओं ने केसरिया व पुरुषों ने सफेद वस्त्र धारण कर रथ यात्रा की शोभा बढ़ाई

वेद ज्ञान

पुस्तक की तरह पढ़ें प्रकृति को

प्रकृति के अस्तित्व का प्रयोजन आत्मा को शिक्षित करना है। यह आत्मा को ज्ञान का लाभ लेना सिखाती है, ताकि ज्ञान से आत्मा स्वयं को मुक्त कर ले। यदि हम यह बात निरंतर ध्यान में रखें, तो हम प्रकृति के प्रति कभी आसक्त नहीं होंगे। हमें यह ज्ञान हो जाएगा कि प्रकृति हमारे लिए एक पुस्तक के समान है, जिसका हमें अध्ययन करना है। जब हमें उससे आवश्यक ज्ञान प्राप्त हो जाएगा, फिर वह पुस्तक हमारे लिए किसी काम की नहीं रहेगी। इसके विपरीत यह हो रहा है कि हम अपने को प्रकृति में ही मिला दे रहे हैं। हम यह सोच रहे हैं कि आत्मा प्रकृति के लिए है। आत्मा शरीर के लिए है। जैसी एक कहावत है, हम सोचते हैं 'मनुष्य खाने के लिए ही जीवित रहता है न कि जीवित रहने के लिए खाता है'। यह भूल हम निरंतर करते रहते हैं। प्रकृति को ही अहं मानकर हम प्रकृति में आसक्त बने रहते हैं। ज्यों ही इस आसक्ति का प्रादुर्भाव होता है, त्यों ही आत्मा पर प्रबल संस्कार का निर्माण हो जाता है, जो हमें बंधन में डाल देता है। जिसके कारण हम मुक्तभाव से कार्य न करके दास की तरह कार्य करने लग जाते हैं। इस सारी शिक्षा का सार यही है कि तुम्हें एक स्वामी के समान कार्य करना चाहिए, न कि एक दास की तरह। कर्म तो निरंतर करते रहें, लेकिन एक दास की तरह न करें। दरअसल, हम इच्छा न होने पर भी कार्य करते चले जाते हैं। इच्छा होने पर भी कोई आराम नहीं ले सकता। इसका फल होता है दुख। ये सब कार्य स्वार्थ पर होते हैं। मुक्तभाव से कर्म करें, प्रेमसहित कर्म करें। प्रेम शब्द का अर्थ समझना बहुत कठिन है। बिना स्वाधीनता के प्रेम आ ही नहीं सकता। यदि आप अनिच्छा से कोई काम कर रहे हैं, तो सच्चे प्रेम का भाव जागना असंभव है। यदि हम संसार के लिए अनिच्छा के साथ दास के समान कर्म करते हैं, तो इसके प्रति हमारा प्रेम नहीं रहता। इसलिए वह सच्चा कर्म नहीं हो सकता। हम अपने बंधु-बांधवों के लिए जो कर्म करते हैं, जहां तक कि हम अपने स्वयं के भी जो कर्म करते हैं, उसके बारे में भी ठीक यही बात है। यदि हम अनिच्छा से कोई काम करते हैं, तो इसके प्रति हमारा प्रेम नहीं होता है। सदिच्छा के साथ खुशी-खुशी किए गए कर्म के परिणाम बेहतर आते हैं।

संपादकीय

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर सख्ती दिखाई...

नफरती बयानों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। चार राज्यों को नोटिस जारी कर पूछा है कि उन्होंने अपने यहां इस संबंध में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है या नहीं। दरअसल, इस साल अगस्त में नफरती बयानों पर रोक लगाने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सख्त टिप्पणी की थी कि इस तरह के बयान देने वाले चाहे जो हों, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके लिए अदालत ने राज्य सरकारों को अपने यहां नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया था, जो नफरती भाषणों का संज्ञान लेकर मामले दर्ज और उन पर कार्रवाई करेंगे। उसी संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि अट्ठाईस राज्यों ने नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है, मगर पांच राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और नगालैंड ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं उपलब्ध कराई है। हालांकि बाद में पश्चिम बंगाल ने कहा कि उसने भी नोडल अधिकारी की

नियुक्ति कर दी है। विचित्र है कि सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती और चार महीने बीत जाने के बाद भी चार राज्यों ने इस मामले पर गंभीरत नहीं दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय कई बार केंद्र और राज्य सरकारों को नफरती भाषणों पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाने का निर्देश दे चुका था, मगर जब उसके सकारात्मक नतीजे नहीं आए तब उसने खुद एक दिशा-निर्देश जारी कर राज्य सरकारों की जवाबदेही तय की थी। उसी के तहत नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जानी थी। छिपी बात नहीं है कि नफरती बयानों के चलते पिछले कुछ सालों में किस तरह सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ है। समाज में सांप्रदायिक तनाव का वातावरण बना है और कई जगहों पर इसके गंभीर नतीजे भी सामने आए हैं। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने की कोशिशें की जाती हैं। इसमें अक्सर राज्य प्रशासन की लापरवाही और पक्षपातपूर्ण रवैया उपद्रवियों तथा समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश करने वालों का मनोबल बढ़ाता रहा है जबकि वैमनस्यता फैलाने के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर कई मौकों पर राज्य प्रशासन आंखें मूंदे नजर आया है। कुछ राज्यों में धर्म संसद का आयोजन कर समुदाय विशेष के प्रति नफरत बोने की कोशश की गई, तो कुछ राज्यों में इसकी प्रतिक्रया में वैसे ही नफरती बोल बोले गए। दोनों ही समुदायों को राजनीतिक समर्थन मिलता देखा गया। ऐसी कोशिशों को रोकना राज्य सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मगर जिस तरह समुदायों में नफरत पैदा कर राजनीतिक लाभ उठाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, उसमें सरकारें अपने कर्तव्य से विमुख नजर आई, तो हैरानी की बात नहीं। सर्वोच्च न्यायालय के कड़े आदेश के बाद भी हरियाणा के नूंह में नफरती हरकतें खुल कर सामने आईं और प्रशासन लंबे समय तक निष्क्रिय नजर आया। इससे यही पता चलता है कि राज्य सरकारें खुद इस मामले में गंभीर नहीं हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय उनके कर्तव्यों की याद दिलाता रहता है, मगर शायद उन्हें अपने सियासी नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा के संवैधानिक दायित्व की चिंता नहीं है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

किसिंजर का जाना

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का दुनिया से जाना एक युग के अवसान की तरह है। वह सौ वर्ष के हो चुके थे, लेकिन अब भी वैचारिक रूप से सक्रिय थे। अमेरिकी राजनयिक बिरादरी किसिंजर की सलाह पर कान देती थी। उन्हें अमेरिका के साथ ही, वैश्विक राजनीति पर भी गहरे प्रभाव के लिए हमेशा याद किया जाएगा। किसिंजर ने दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों के अधीन कालजयी प्रभाव वाले कार्य किए। वियतनाम युद्ध के अंत और शीत युद्ध के समापन की ओर बढ़ने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय है। एक राजनयिक या नेता के रूप में वह दुनिया से जाते-जाते भी नेतृत्व शैलियों पर केंद्रित किताब तैयार कर रहे थे। अमेरिकी राजनय और राजनीति में उनकी लगभग 60 साल की सक्रियता दुनिया के तमाम नेताओं के लिए प्रेरक है और हमेशा रहेगी। याद रहे, इसी साल जुलाई में किसिंजर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने अचानक बीजिंग पहुंच गए थे। मतलब, वाशिंगटन अपने वयोवृद्ध नेता के माध्यम से चीन से संबंध सुधारने की राह तलाश रही थी। चीन की मजबूती बढ़ाने में किसिंजर का बहुत योगदान रहा। अफसोस, हेनरी किसिंजर जैसे योग्य अमेरिकी नेता को ज्यादातर भारत के प्रतिपक्ष में देखा गया। 1970 के दशक में वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के अधीन जब विदेश मंत्री थे, तब पाकिस्तान के पक्ष में दलीलें दिया करते थे। तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से जब शरणार्थियों की आंधी भारत की ओर चली, जब पाकिस्तानी सेना ने वहां दमन चक्र चलाया, तब भी वह भारत के विरोध में थे। इतिहास में दर्ज है, वह शरणार्थी समस्या के लिए भी भारत को ही जिम्मेदार मानते थे। भारत ने जब बांग्लादेश की मुक्ति के लिए संघर्ष में सहयोग दिया, तब वह आक्रामक हो गए थे। हालांकि, उनका फैसला गलत था और बाद में उन्होंने भारत के प्रति चुप बैठने में ही अपनी भलाई समझी। लगे हाथ, इस बात से भी संतोष जताया कि भले पूर्वी पाकिस्तान हाथ से निकल गया, पर पश्चिमी पाकिस्तान बचा लिया गया। उसके बाद पश्चिमी पाकिस्तान जिस तरह से घृणा में डूबते हुए पिछड़ने लगा, उसमें एक हद तक किसिंजर की नीतियों का योगदान रहा। पाकिस्तान पूरी तरह अमेरिकापरस्त हो गया, लेकिन भारत की गुटनिरपेक्षता लगातार कायम रही। अब यह कहने में कोई संकोच नहीं कि तब पूरी अमेरिकी सत्ता को भारत की निष्पक्षता चुभती थी। इसी चुभन की वजह से उन्होंने खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे के अंदाज में भारत और भारतीय प्रधानमंत्री के लिए ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसे कभी भुलाया न जा सकेगा। बहरहाल, धीरे-धीरे उन्हें भारत की मजबूती और अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्हें अच्छी जीवन शैली की वजह से लंबी उम्र मिली और उन्होंने अपनी कल्पना से परे एक उभरते भारत के दर्शन किए, तब उनके मुंह से भारतीयों व भारतीय प्रधानमंत्रियों के लिए प्रशंसा के शब्द निकलने लगे। खासकर, 2008 के बाद आतंकवाद से लड़ते हुए भारत की ताकत का किसिंजर को बखूबी एहसास हुआ। वह समझ गए कि आने वाले समय में दुनिया भारत को नजरंदाज नहीं कर पाएगी। 27 मई, 1923 को फर्थ, जर्मनी में जन्मे हेंज अल्फ्रेड किसिंजर ने अपनी आंखों से यहूदियों का उत्पीड़न देखा था और एक दिन वह भी आया, जब उन्हें शांति के लिए नोबेल दिया गया। आज जब वह नहीं हैं, तो उन्हें समग्रता में देखते हुए अमेरिकी सत्ता के परंपरागत विरोधाभासों को महसूस करना आसान है।

शीतल तीर्थ रतलाम में 20-21 जनवरी को होगा जैन पत्रकारों का राष्ट्रीय सम्मेलन

इंदौर. शाबाश इंडिया

रतलाम में निर्मित दिगंबर जैन शीतल तीर्थ के दिनांक 22 से 28 जनवरी तक होने वाले पंच कल्याण प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अंतर्गत महोत्सव के पूर्व दिनांक 20 /21 जनवरी को जैन पत्रकारों का राष्ट्रीय सम्मेलन होगा जिसमें बड़ी संख्या में देशभर के जैन पत्रकार सम्मिलित होकर विचार विमर्श करेंगे। प्रचार संयोजक राजेश जैन दद्दू यह जानकारी हाल ही में रतलाम में संपन्न प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष कमल ठोलिया चेन्नई के मुख्य आतिथ्य एवं राजस्थान जैन सभा के सुभाष पांड्या की अध्यक्षता संपन्न बैठक में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन एवं महासंघ के सलाहकार हसमुख जैन गांधी इंदौर ने श्री तीर्थ की अधिष्ठात्री सविता दीदी की सहमति से बैठक में दी। प्रतिष्ठा महोत्सव के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सविता दीदी ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव दिनांक 22 से 28 फरवरी तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में संपन्न होगा जिसमें देश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे और पाषाण से परमात्मा बनने की विधि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होकर पुणयार्जन करेंगे। आपने महोत्सव के अंतर्गत होने वाले जैन पत्रकारों के राष्ट्रीय सम्मेलन को रतलाम में आयोजित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मीटिंग में हंसमुख गांधी इंदौर

ने महामस्तकाभिषेक एवं कलश आवंटन के संबंध में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर महेंद्र बैराठी, मनीष वेद, राजेश बडजात्या, दर्शन जैन, संदीप शाह एवं चक्रेश जैन आदि पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मंच संचालन कमल बाबू ने किया एवं आभार यश कमल अजमेरा ने माना। इस अवसर पर अतिथियों एवं पदाधिकारी ने शीतल तीर्थ पंचकल्याणक के फोल्डर का भी विमोचन किया। **राजेश जैन दद्दू मीडिया प्रभारी**

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

मनुष्य जीवन का सार चारित्र

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी की सुविज्ञ शिष्या आर्यिका विकक्षा श्री माताजी का विहार सवाईमाधोपुर से गुन्सी के लिये हो गया है। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में होने वाले पिच्छीका परिवर्तन एवं 108 फुट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारंभ के आयोजन में सम्मिलित होने के लिए। पूज्य गुरु माँ के सानिध्य में संघस्थ आर्यिकाओं का दीक्षा दिवस मनाया गया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन में दीक्षा का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा कि - दीक्षा का अर्थ जो दीनता , दानवता व दरिद्रता का क्षय करें वह दीक्षा कहलाती है । मोह से मोक्ष की ओर कदम बढ़ाने का नाम है दीक्षा । राग से विराग की ओर बढ़ने का नाम है दीक्षा । अविज्ञा से विज्ञा की प्राप्ति का नाम है दीक्षा। जिस प्रकार फूलों का सार इत्र होता है उसी प्रकार मनुष्य जीवन का सार चारित्र होता है । संयम और चारित्र के बिना मनुष्य पर्याय की कोई कीमत नहीं है। मनुष्य पर्याय को सार्थक करने के लिए संयम रूपी रत्न की आवश्यकता है। जैसे डॉक्टर के बिना अस्पताल बेकार है , टीचर के बिना स्कूल बेकार है, नमक के बिना भोजन बेकार है, ब्रेक के बिना कार बेकार है उसी प्रकार संयम के बिना मनुष्य जीवन बेकार है। द्वय आर्यिका माताजी ने गुरु गुणगान गाते हुए कहा कि गुरु के बिना जीवन निःसार है।

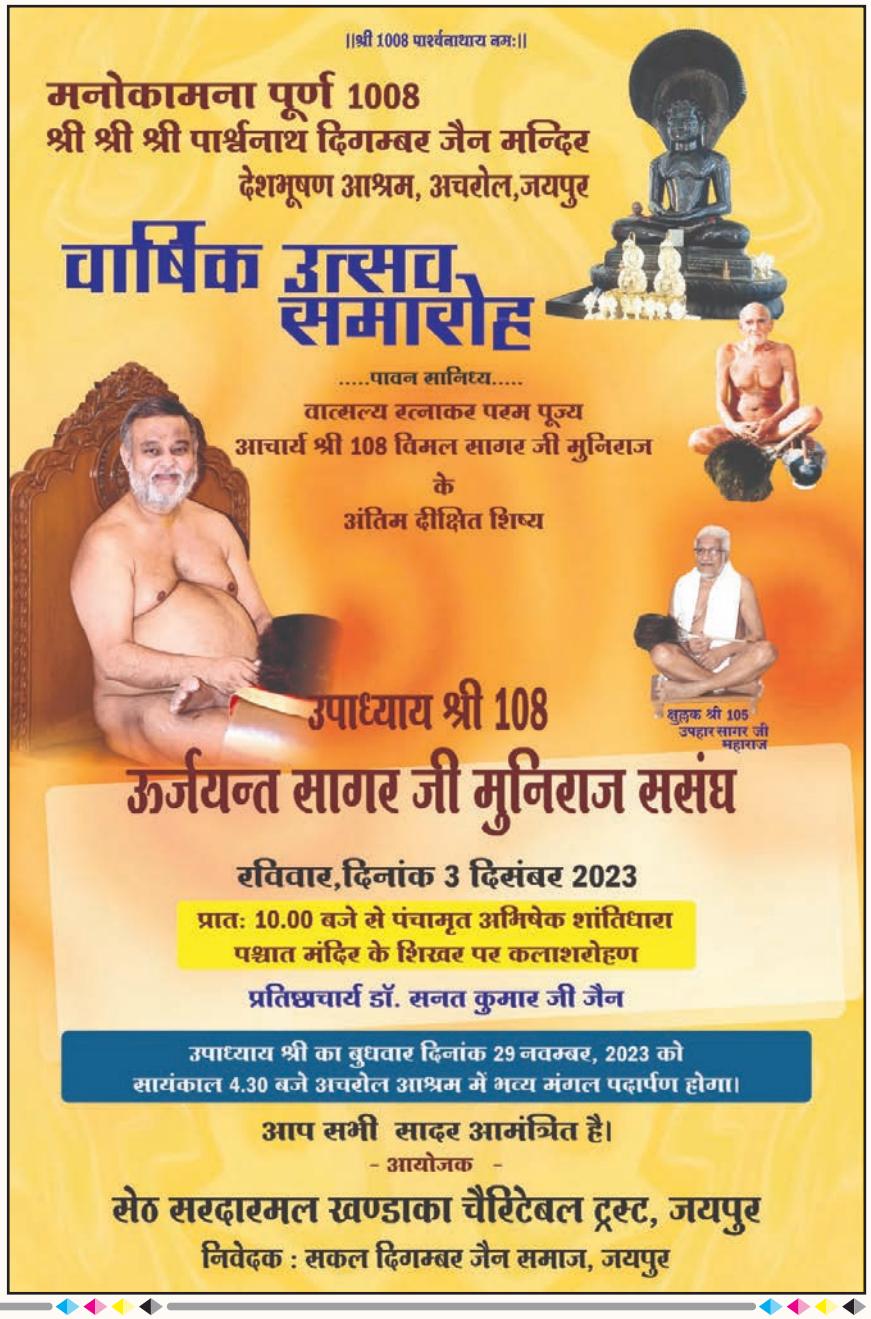

समानता पर काम करने पर महिलाएं भी सशक्त बनेंगी और राष्ट्र भी होगा सशक्तः डा. एस. रमादेवी

लाडनूं में ''सशक्त नारीः सशक्त राष्ट्र'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न

लाडनूं. शाबाश इंडिया

महिलाओं के सशक्त होने से निश्चित ही राष्ट्र सशक्त बनेगा। विशिष्ट अतिथि राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी के अध्यक्ष प्रो. धर्मचंद जैन ने कहा कि नारी के लिए चरित्रनिष्ठा, स्वतंत्रता, निर्भयता, विवेकशक्ति सम्पन्नता, आत्मनिर्भर होना, सीखने की प्रवृति, संतुलन व समन्वयवादिता, सहिष्णुता आदि गुणों की आवश्यकता रहती है।

इंडियन कौंसिल आफ सोशल साईंस रिसर्च नई दिल्ली के प्रायोजन में यहां जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय के समिनार हॉल में जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के तत्वावधान में ''सशक्त नारीः सशक्त राष्ट्र'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। सेमिनार के समापन समारोह की मुख्य अतिथि ''युनिवर्सिटी न्यूज'' की सम्पादक एवं विदुषी डा. एस. रमादेवी पाणि ने नारी की समस्याओं और लक्ष्य को इंगित करते हुए कहा कि देश भर में 1100 विश्वविद्यालय हैं, उनमें महिला कुलपतियों की संख्या मात्र 7 प्रतिशत ही है। विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण के नीतिगत विषय पर काम किया जाए, तो समस्याओं का समाधान संभव हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सभी तरह की नीतियां मौजूद हैं, लेकिन वे पूर्ण रूप से अभ्यास में नहीं आ पाती हैं। विश्वविद्यालयों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए। विश्वविद्यालय अगर अच्छा काम करें, तो विभिन्न वैश्विक समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अध्यापन, शोध और समुदाय से सम्बद्धता प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए आवश्यक है। सामाजिक बदलाव के लिए आवश्यक है कि पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक समानता सम्बंधी विषयों का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में ''**वीमेन स्टडी सेंटर**'' संचालित किए जाते हैं, मगर वे भी महिलाओं की समस्याओं के समाधान कर पाने में सफल नहीं रहे हैं। भारत उच्च शिक्षा में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। अगर यह समानता पर काम करे तो महिलाएं भी सशक्त बनेंगी और राष्ट्र भी सशक्त हो पाएगा।

सशक्त व समर्थ भारत के लिए महिलाओं की सशक्ति आवश्यक

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. नलिन के. शास्त्री ने कहा कि सशक्त व समर्थ भारत बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है। आचार्यश्री तुलसी ने नारी के गरिमामय जीवन व मानवीय जीवन व्यवहार के क्षेत्र में बहुत काम किया था और उन्हीं के स्वप्न के आधार पर बना जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय महिला क्षेत्र में बहुत कार्य कर रहा है। उन्होंने इस सम्बंध में किए जा रहे विभिन्न उत्कृष्ट कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अध्यात्म नारी को सुरक्षा प्रदान करता है और उसे सबलता व आत्मसम्मान प्रदान करता है। उन्होंने औरतों को पुरूष के समान बनने या बार्बी डॉल की तरह बनने को अनुचित बताया तथा कहा कि भारत संस्कृतियों का संगम रहा है, इस देश में नारी को संस्कृति के केन्द्र में रहना आवश्यक है। अपने अधिकारों और सम्मान के प्रति जागरूक रह कर ही नारी समन्वय व संतुलन बनाए रख सकती है। मातृसतात्मकता और पितृसतात्मकता दोनों के बजाए समन्वयवादी सोच होनी आवश्यक है।

अपनी शक्ति पहचानें व राष्ट्र के लिए योगदान करें

जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने शक्ति, सम्पदा व शिक्षा को सबके लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन तीनों की अधिष्ठात्री देवियों के रूप में नारी ही है, जो दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती के रूप में हम मानते आए हैं। उन्होंने महिलाओं से अपेक्षा की कि वे अपनी शक्तियों को पहचानें और देश को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें। प्राकृत व संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र जैन ने दो दिवसीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रसतुत किया तथा कहा कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्रों का पुस्तकाकार रूप में प्रकाशन करवाया जाएगा। इस अवसर पर सम्भागी प्रो. हामिद अंसारी इंदौर व डा. पिंकी कोटा ने अपने अनुभव साझा किए। समारोह का प्रारम्भ्ज्ञ सरस्वती पूजन व मंगलाचरण द्वारा किया गया। अतिथि परिचय प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। अंत में डा. सत्यनारायण भारद्वाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हुआ 45 शोधपत्रों का वाचन

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में कुछ छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देश भर से आए विभिन्न विद्वानों ने 45 शोधपत्र प्रस्तुत किए। प्रो. धर्मचंद जैन जयपुर, डा. रिंकी कोटा, डा. जितेन्द्र कुमार सिंह जयपुर, डा. सुन्दर शांडिल्य जयपुर, डा. तारावती मीना, डा. रामकिशोर यादव जयपुर, डा. ज्योतिबाब जैन उदयपुर, डा. सुमत कुमार जैन, डा.कृष्णमोहन जोशी उदयपुर, डा. जसवंतसिंह चैधरी, नवीन कुमार जोशी, डा. तबस्सुम चैधरी अलीगढ, डा. रितिक जादौन अलीगढ, असलम अलीगढ, प्रो. हदीस अंसारी इंदोर, रेखा बडाला, नीलम जैन उदयपुर, डा. योगेश जैन भोपाल आदि विद्वानों ने सेमिनार में स्वतंत्रता संग्राम में महिलाएं, पर्यावरण संरक्षण में योगदान, स्त्री पत्रकारिता, राजस्थानी, उर्दू व हिन्दी साहित्य में महिलाओं का योगदान, सामाजिक चेतना की अभिव्यक्ति आदि विभिन्न महिला केन्द्रित विषयों पर पत्र-वाचन किए गए। इन छह सत्रों के शुरू में उद्घाटन सत्र में हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने देश में महिलाओं की स्थिति का सटीक चित्रण करते हुए कहा है, ''ये कैसी तस्वीर बनाई है हमने, सिर पर ताज और पैरों में जंजीर बनाई है हमने।'' प्रो. सुधि ने महिलाओं की राजनीतिक भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि महिलाएं सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होती है। भारत को तीसर सबसे बड़ा देश बताते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका यहां मात्र 10 प्रतिशत ही है। महिलाएं हर क्षेत्र में कामयाब हैं, उनका प्रतिनिधित्व बढाया जाना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए जैविभा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने सामाजिक बदलाव की आवश्यकता बताते हुए कहा कि देश में अभी भी महिलाओं की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। महिलाओं को उनकी मजबूरियों से मुक्त करना होगा और उन्हें सशक्त बनाना होगा। महिलाओं के सशक्त होने से निश्चित ही राष्ट्र सशक्त बनेगा। विशिष्ट अतिथि राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी के अध्यक्ष प्रो. धर्मचंद जैन ने कहा कि नारी के लिए चरित्रनिष्ठा, स्वतंत्रता, निर्भयता, विवेकशक्ति सम्पन्नता, आत्मनिर्भर होना, सीखने की प्रवृति, संतुलन व समन्वयवादिता, सहिष्णुता आदि गुणों की आवश्यकता रहती है। इनके आने से ही वह सशक्त नारी बन पाएगी और राष्ट्र के लिए भी अपना योगदान देकर सशक्त राष्ट्र निर्मित कर पाएगी।

सहज व सरल व्यक्तिव के साथ मधुकर मुनिजी ने जन-जन तक फैलाया आगम का ज्ञानः इन्दुप्रभाजी म.सा.

श्रमण संघ की एकता व जिनशासन की आराधना में समर्पित रहे मधुकरमुनिजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य बने पूज्य मधुकरमुनिजी म.सा. सहजता व सरलता की प्रतिमूर्ति होने के साथ गुणों का भण्डार थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन श्रमण संघ की एकता व जिनशासन की प्रभावना के लिए समर्पित कर दिया। सबके प्रति मन में प्रेम व करूणा के भाव रखने वाले ऐसे महापुरूष ने जिनशासन का गौरव बढ़ाया। उनका पुण्य स्मरण करने से भी जीवन में पवित्र भाव जागृत होते है। ये विचार मरूधरा मणि महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति इन्दुप्रभाजी म.सा. ने शनिवार सुबह श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी श्रावक समिति संघ महावीर भवन बापूनगर के तत्वावधान में श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य श्री मधुकरमुनिजी म.सा. की 40वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित गुणानुवाद सभा में व्यक्त किए। इस दिवस को सामायिक साधना के साथ मनाया गया। उन्होंने कहा कि वैराग्यकाल से ही कई बार पूज्य मधुकरमुनिजी म.सा. के मुखारबिंद से जिनवाणी श्रवण करने एवं आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आगमों का गहन ज्ञान रखने

वाले ऐसे महापुरूष के जीवन से सीखी हुई बातों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास कर रहे है। आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि पूज्य मधुकर मुनिजी म.सा. ने आगम के ज्ञान को सरल भाषा में जन-जन तक पहुंचाने का अनुमोदनीय अतुलनीय कार्य किया। उन जैसे महान पुरूष का जितना गुणानुवाद किया जाए कम है। उन्होंने भगवान महावीर के दर्शन के अनुरूप संयम साधना करते हुए सभी को जिनशासन सेवा की प्रेरणा प्रदान की। प्रबुद्ध चिन्तिका डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. को कड़क मिश्री जबकि पूज्य मधुकर मुनिजी म.सा. को मिठी या नरम मिश्री के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने हमेशा प्रेम व मिठास भरी वाणी से उनके दर्शनों के लिए आने वाले श्रावक-श्राविकाओं को ज्ञान प्रदान किया ओर जिनशासन की सेवा के लिए प्रेरणा प्रदान की। ऐसे महान संतों का गुणानुवाद करना भी पुण्यार्जन करने वाला होता है। धर्मसभा में तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में तत्वचिन्तिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। संचालन बापूनगर श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्रोत ने किया। सभा में बापूनगर, चन्द्रशेखर आजादनगर, न्यू आजादनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे। पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में रविवार सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक बापूनगर महावीर भवन में श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल सेवा समिति के तत्वावधान में महामंगलकारी नवकार मंत्र जाप एवं भक्ताम्बर पाठ का आयोजन होगा। रविवार दोपहर 2 बजे से पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में बच्चों की धार्मिक संस्कार पाठशाला की शुरूआत होंगी। धर्मसभा में पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के वर्ष 2023 में चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में श्री अरिहन्त विकास समिति के तत्वावधान में हुए चातुर्मास पर आधारित डिजीटल स्मारिका ''प्रण से परिणाम'' की प्रति का विमोचन कर उसे साध्वीवृन्द के श्रीचरणों में समर्पित किया गया।

अन्तर्मना प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से ....

शब्द शब्द सब कोई कहे, शब्द के हाथ ना पांव.. एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे सौ घाव

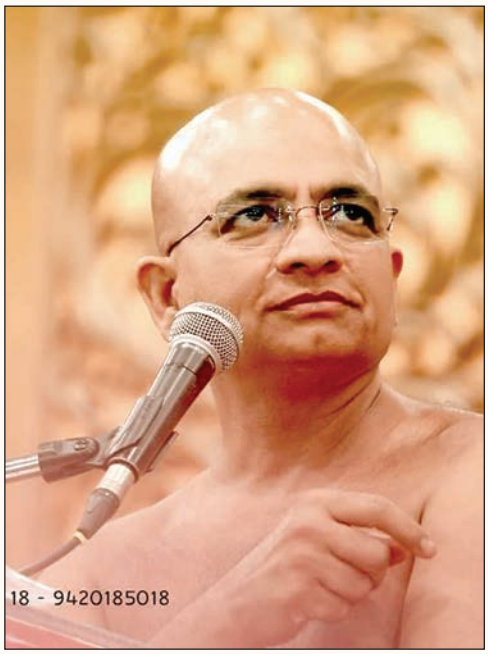

झूठ बोल कर कुछ पाने से अच्छा है,, सच बोलकर उसे छोड़ देना।कुछ लोग कम बोलते हैं लेकिन बोलने के पहले तौलते हैं, फिर बोलते हैं। कुछ लोग अच्छे दिखने और बनने के लिए बोलते हैं, और कुछ लोग इसलिए बोलते हैं क्योंकि उनको बोलना है। शब्द के साथ खेलने वाला, झूठी वाह-वाह तो लूट सकता है लेकिन दिलो में जगह नहीं बना सकता। संत शब्द से नहीं, सत्य से खेलते हैं। इसलिए जीना है तो सुनने की आदत डालो। क्योंकि दुनिया में कहने वालों की कमी नहीं है। कड़वे घूट पी-पीकर जीने और मुस्कुराने की आदत बना लो। क्योंकि दुनिया में अमृत की मात्रा बहुत कम रह गई है। अपनी बुराई सुनने की खुद हिम्मत पैदा करो। क्योंकि आपके अपने ही लोग आपकी बुराई करने से बाज नहीं आयेंगे। मन की शान्ति और ज़िन्दगी की खुशहाली के लिये, लोगों की बातों को मन में सेव मत करो और अपने मस्तिष्क को सड़े-गले विचारों का कूडाद्रान न बनाओ, अपितु उसे उदात्त विचारों का तीर्थ बनावे। शरीर एक मन्दिर है, और उसमें मन प्रभु की मुर्ति है। इस मुर्ति को हमें सदभाव, मैत्री, सत्कार्यों का अर्घ्य अर्पण करना चाहिए...। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

स्वयं के भावों से ही संभव है आत्म कल्याण: मुनि ज़िनानन्द

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिरजी में आचार्य वसुनंदी जी के शिष्य मुनित्रय सर्वानन्दजी, ज़िनानन्दजी व पुण्या नन्दजी के चल रहे प्रवास में शनिवार की धर्म सभा में मुनि ज़िना नन्द जी ने बताया कि स्वयं की इच्छा से ही आत्म कल्याण संभव है । किसी भी कार्य के लिए आपकी इच्छा भाव होना आवश्यक है। चाहे वह भूख हो ,प्यास हो अथवा नींद हो। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार आज की धर्म सभा में दीप प्रज्वलन व अर्थ पूर्ण मंगलाचरण डॉक्टर इंद्र कुमार जैन ने किया। मुनि श्री ने प्रवचन के समय श्रोताओं को किए जाने वाले सम्बोधन धर्म स्नेही, धर्मात्मा, महानुभावों आदि का अर्थ व महत्व समझाया तथा बताया कि जब तक दीपक में ज्योति है तब तक ही उसका महत्व है परिवार में संस्कार रूपी ज्योति आवश्यक है तब ही आगे की पीढ़ी के लिए पुण्य अर्जन हो सकेगा जैसे की जड़ में पानी देने पर ही डाली पर फल फूल व पत्ते आते है। मुनि श्री अनुसार जैन धर्म क्रिया प्रधान नहीं भाव प्रधान है। रविवार को प्रात अहिंसक शाकाहार पर संगोष्ठी का आयोजन संघ के सानिध्य में होगा। धर्म सभा सामूहिक जिनवानी स्तुति व नमोकार के साथ संपन्न हुई।

कैलाश चंद जैन की आंखों से मिलेगी दो लोगों के जीवन में रोशनी

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

स्थानीय निवासी कैलाश चंद जैन पाटनी के मरणोपरांत महावीर इंटरनेशनल संस्था के स्थानीय पदाधिकारी द्वारा पाटनी परिवार मृतक की धर्म पत्नी श्रीमती पदमा देवी पुत्र विशाल विकास जैन से सम्पर्क कर नेत्रदान महादान के प्रेरणा देकर नेत्र दान करवाने के फैसले पर उपस्थित सभी जन ने पाटनी परिवार के कठीन व साहसिक निर्णय लेकर नेत्रदान जेसे पुनीत कार्य किया है । इस नेक कार्य से निश्चित ही दो लोगों को अंधेरे जीवन से रोशनी मिलेगी महावीर इंटरनेशनल संस्था के युवा अध्यक्ष आनंद सेठी, वीर अध्यक्ष रामावतार गोयल, सचिव अजित पहाड़ियां, सम्पत बगड़िया, पारस पहाड़ियां, नरेश झांझरी, लायंस क्लब कुचामन फोर्ट के पवन जैन, मुरली गोयल, जितेन्द्र पाटोदी, आईबैंक अजमेर के इनचार्ज भरतकुमार शर्मा को आंखें समर्पित की संस्था के गवनिर्ग कोसिल मेम्बर सुभाष पहाड़ियां के अनुसार भगवान उन महान आत्मा ओर उनके परिवार के लोगों का भला करें जिनके नेत्रदान से दो व्यक्तियों को दृष्टि का सुख प्राप्त होगा। महावीर इंटरनेशनल परिवार के सभी वीर वीरा युवा सदस्यों ने पाटनी परिवार के निर्णय पर आभार जताया।

श्री विनोद - शशि जैन तिजारिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ

(3 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

विद्वानों का आगमन शातिशय पुण्य का उदय है: मुनि श्री आदित्य सागर महाराज

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी संपन्न

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट आर के कॉलोनी के तत्वावधान में श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्रीमद् दिगंबर जैनाचार्य राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी 1 दिसंबर व 2 दिसंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मुनिश्री आदित्य सागर महाराज संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक पुण्य के उदय से ज्ञान का दीपक प्राप्त हुआ है। विद्वानों का भीलवाड़ा नगर में आगमन शातिशय पुण्य का उदय है। वस्तु का अभाव में वस्तु की कीमत होती है। विद्वानों के ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए जगह-जगह संगोष्ठी की जाती है। उन्होंने कहा कि जिन दर्शन की रक्षा के लिए जैन सिद्धांत को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सगोष्टी मंगलकारी है, निरंतर चलती रहनी चाहिए। विद्वानों के मार्गदर्शन से युवा विद्वानों की संगोष्ठी होना चाहिए। डॉ श्रेयांश जैन बड़ौत ने कहा कि मुनि श्रीआदित्य सागर महाराज नवीन विचारों के प्रतिभा है। मुनि परंपरा हमेशा जीवंत करने के लिए आचार्य शिरोमणि श्री शांति सागर जी महाराज के बताइए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। डॉक्टर कमलेश जैन ने कहा कि आध्यात्मिक साधना के बल से ही भारत देश जगतगुरु बन सकता है। पंडित विनोद कुमार जैन ने कहा कि करुणा, वात्सल्य, प्रेम के धनी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज का ज्ञान आचार्य कुंदकुंद भगवान के समान वृद्धि होती रहे, आगे मोक्षगामी बने। संगोष्ठी में निर्देशक डॉक्टर श्रेयांश कुमार जैन बड़ौत , डॉक्टर शीतल चंद जैन जयपुर, डॉक्टर श्रियांश कुमार जैन जयपुर, डॉक्टर आशीष कुमार जैन सागर, ब्रह्मचारी अनिल भैया जयपुर, डॉक्टर नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़, ब्रह्मचारी धर्मेंद्र भैया जयपुर, संयोजक पंडित विनोद कुमार जैन रजवास, डॉक्टर सुनील कुमार जैन ललितपुर, डॉक्टर कमलेश कुमार जैन जयपुर, डॉक्टर बाहुबली कुमार जैन इंदौर, डॉक्टर पंकज कुमार जैन इंदौर, डॉक्टर आशीष कुमार जैन दमोह, डॉक्टर सोनल कुमार जैन दिल्ली, पंडित राजेंद्र कुमार जैन महावीर सनावद, डॉक्टर शिखर चंद जैन दिल्ली, पंडित अमित कुमार जैन मडदेवरा एवं अविरल जैन भीलवाड़ा ने श्रीमद् दिगंबर पूवाचार्य के व्यक्तित्व एवं कर्तव्य विषय पर अपने-अपने आलेखो पर विचार प्रकट किये।

नेट थिएट पर मेलोडी ऑफ स्ट्रिंगस

वायलिन और तबले की जुगलबंदी ने समा बांधा, सुरों की गरमाहट ने बदला मौसम का मिजाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज युवा कलाकार उदय अग्रवाल व जेयान हुसैन की जुगलबंदी ने समा बाँधा। कलाकार उदय ने जब वायलिन पर सुरों की सरगम छेड़ी तो सुरों की गर्माहट से मौसम का मिजाज बदला। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि युवा वायलिन वादक उदय अग्रवाल ने संध्या कालीन राग भूपाली के छोटे ख्याल मध्य लय तीनताल मे अलाप व सुन्दर तानो से कार्यक्रम की शुरूआत की। उदय ने दुसरी प्रस्तुति मे राग दुर्गा की शानदार प्रस्तुति से दर्शको का मन मोह लिया। राग दुर्गा मे जेयान हुसैन के तबले के साथ वायलिन की जुगलबंदी कार्यक्रम मे विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जेयान ने तबले पे शानदार संगत की। कार्यक्रम का संचालन रंगकर्मी अर्जुन देव ने किया। कार्यक्रम संयोजक गुलजार हुसैन, कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, मंच व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
एडवान्स टेक्नोलोजी

सुरक्षित निर्माण

Pidilite DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT
Rajendra Jain
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
80036-14691
DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Opp. D-Mart, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

निम्बार्क महोत्सव में भक्ति रस की बही बयार

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री निंबार्क जयंती में शनिवार को चांदनी चौक स्थित आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में धूमधाम से छठी महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर गायक कलाकारों ने भक्ति रस से परिपूर्ण भजनों की प्रस्तुति से सर्वेश्वर संसद परिसर को राधे कृष्ण के भजनों की रसधार से सराबोर कर दिया। संसद के अध्यक्ष महेन्द्र गार्गीय सहित सभी पदाधिकारी परिजनों के साथ उत्सव में पहुंचे रसिकजनों ने सुमधुर भजनों का रसपान किया। इस अवसर पर भजन गीता जुगल सैनी ने राधा सर्वेश्वर सुख रास, श्री निम्बारक श्री हरिव्यास.. अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। साथी कलाकरों ने भी ठाकुर श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के चरणों में भजनों की हाजरी लगाई। त्रिवेणी कुमावत ने महा मधुर मंगलमय राधा..., संगीता महर्षि ने गिरधारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे..., थां की जय हो अरुण कुमार जयंती के लाला..., मोनिका ने तेरी वंशी जाउं बलिहारी रसिया... पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे... और विक्रम श्रीवास्तव आदि भजनों की प्रस्तुति से उत्सव स्थल आनन्दमय हो गया।

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा का दूसरा दिन

भगवान जीव का उद्धार करते हैं: जगद्गुरु शंकराचार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमती नर्बदा देवी शर्मा धर्मपत्नी विष्णु शर्मा की पुण्य स्मृति में झोटवाड़ा रोड स्थित श्रीचमत्कारेश्वर महादेव मंदिर मे चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के दूसरे दिन शनिवार को काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ स्वामी जी ने कहा कि परमात्मा से बढ़कर कोई और सुख एवं सम्पदा नहीं है। भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि नारद जी ने देखा अज्ञान रूपी अंधकार से दुखी है, सारा संसार इस अज्ञान को दूर करने के लिए ही श्रीमद्भागवत महापुराण है। हरी की व्यापकता का वर्णन किया गया। स्वामी जी ने भागवत के रहस्यमय प्रसंगों का उद्घाटन करते हुए कहा वृंदा का अर्थ है जहां के लोग हिंसक नहीं हो, भागवत महात्म्य का प्रसंग आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि भागवत ही भगवान है। भागवत भगवान का अक्षरावतार है। वक्ता व श्रोता के धर्म को विवेचना करते हुए बताया कि वक्ता का चरित्र स्वच्छ होना चाहिए, वहीं श्रोता भगवान के प्रति समर्पित होना चाहिए। वक्ता प्रेरणा का पुंज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान जीव का उद्धार करते हैं। भक्ति ज्ञान वैराग्य

तीनों हमारे जीवन में होना चाहिए। आयोजक हरीश-ज्योति शर्मा ने बताया कि महोत्सव के तहत शनिवार को श्रीशुकदेव चरित्र, तुलसी स्तुति, भीष्म स्तुति व परीक्षित चरित्र की कथा महाराजश्री ने सुनाई। ज्ञानयज्ञ के तहत रविवार को श्रीवराह अवतार, श्रीकपिलोख्यान, श्रीशिवपार्वती चरित्र और ऋषभदेव अवतार की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञानयज्ञ के तहत 4 दिसम्बर को श्रीप्रहलाद चरित्र, समुद्र मंथन लीला, श्रीराम जन्मोत्सव के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

वर्षायोग का योग मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज और कार्यकर्ता सम्मान समारोह सम्पन्न

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर झुमरीतिलैया में जिन शासक प्रभावक जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महामुनिराज ने आज अपनी धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब घर में बहू आती है तो सास को खुशी होती है। जब घर में बच्चा आता है तो परिवार को खुशी होती है। नेता आता है तो पार्टी को खुशी होती है और जब नगर में संत आते है तो पूरे समाज को खुशी होती है। चारो और आनंद ही आनंद आता है। बसंत आता है तो प्रकृति मुस्कुराती है, संत आते हैं तो संस्कृति मुस्कुराती है। दिगम्बर जैन मुनि जीवो की रक्षा के लिए, अहिंसा धर्म के पालनार्थ वर्षाकाल में एक ही नगर गांव में ठहरकर व्रतो का पालन करते हैं। चातुर्मास, वर्षायोग का उद्देश्य है कि विशिष्ट साधना करना जैसे जननी गर्भ धारण करती है वैसे ही आषाढ़ के माह में पानी गिरने से भूमि गर्म धारण करती है इसमें अनेक प्रकार के जीवो की उत्पत्ति होती है उन जीवों की रक्षार्थ दिगम्बर मुनि चातुर्मास करते है। आत्मा की साधना के लिए वर्षावास होता है। पूज्य गुरु ने बताया कि जब आकाश से पानी बरसता है तो पृथ्वी उपजाऊ होती है फिर बीज अंकुरित होते है जहा संतो के उपदेश हो जिनवाणी बरसे और हदय मुलायम न हो और उसमें से ज्ञान, श्रदा, चारित्र के बीज अंकुरित न हो तो समझना बंजर भूमि है। ध्यान रखना गीली मिट्टी को आकार दिया जा सकता है लेकिन सूखी मिट्टी को कोई आकार नही दिया जा सकता है लगता है कोडरमा वाले इतने पुण्यात्मा है कि बिना परिश्रम के संत यहा आ जाते है भव्य आत्माओ वर्षायोग की मंगल मय संतों का वर्षायोग होना भव्य जीवो एके पुण्य से होता है। धर्म- धर्मात्मा का विकास हो, पाणी मात्र का कल्याण हो, धर्म-समाज- राष्ट्र- विश्व में शांति स्थापित हो यही वर्षायोग, चातुर्मास का उद्देश्य है समता, सरलता, सहजता और साधना ही साधु की पहचान है।

95% शुगर रोग को रिमूव कर देगा सदाबहार फूल...

शुगर की टेबलेट कम कर देगा ये फूल, डायबिटीज मरीज रोज चबाएं इसकी 3 से 4 पत्तियां...

खराब लाइफस्टाइल के चलते डायबिटीज की समस्या आम हो गई है। पहले तो डायबिटीज 50 साल से ज्यादा उम्र के लागों को होती थी, लेकिन जेनेटिक होने के कारण अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। समय रहते इसे कंट्रोल कर लिया जाए, तो इसके बढ़ने की संभावना को कम किया जा सकता है। वैसे तो डायबिटीज को नियंत्रण में रखने के लिए लोग लौकी, गिलोय जैसे घरेलू नुस्खे अपनाते हैं, लेकिन आप चाहें, तो सदाबहार के फूलों को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। इसे रएवर ब्लूमिंग ब्लॉसमर के रूप में भी जाना जाता है। सदाबहार के फूल में मौजूद हाइपोग्लेमिक गुण ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है। इस फूल के अर्क को लेने से बीटा-पैन्क्रियाज सेल्स से इंसुलिन का उत्पादन होना शुरू हो जाता है। यह स्टार्च के ग्लूकोज में ब्रेक होने में भी हेल्प करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल में कमी आने लगती है। तो आइए जानते हैं क्या है सदाबहार और डायबिटीज के लिए इसका उपयोग कैसे किया जाता है।

सदाबहार क्या है

सदाबहार एक पौधा है, जो आमतौर पर भारत में पाया जाता है और यह मेडागास्कर का मूल निवासी है। यह एक झाड़ी है, जो सजावटी पौधों के रूप में और औषधी बनाने के काम आती है।

चमकदार और गहरे रंग के पत्ते टाइप 2 डायबिटीज के लिए प्राकृतिक औषधि के रूप में काम करते हैं। आयुर्वेदिक विशेषज्ञों के अनुसार, सदाबहार के फूल और पत्तियों का इस्तेमाल ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो सुबह के समय फूलों से बनी हर्बल चाय पी सकते हैं या अच्छे परिणामों के लिए इसकी 3-4 पत्तियों को चबा सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, मधुमेह एक मेटाबॉलिक कफ प्रकार का विकार है, जिसमें पाचन अग्नि कम होने लगती है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है। ब्लड शुगर में स्पाइक्स को कंट्रोल करने के लिए आयुर्वेद सदाबहार नाम के फूल का उपयोग करने की सलाह देता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

फूलों के साथ चिकने, चमकदार और गहरे रंग के पत्ते टाइप 2 डायबिटीज के लिए प्राकृतिक औषधि के रूप में काम करते हैं। आयुर्वेदिक विशेषज्ञों के अनुसार, सदाबहार के फूल और पत्तियों का इस्तेमाल ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो सुबह के समय फूलों से बनी हर्बल चाय पी सकते हैं या अच्छे परिणामों के लिए इसकी 3-4 पत्तियों को चबा सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, मधुमेह एक मेटाबॉलिक कफ प्रकार का विकार है, जिसमें पाचन अग्नि कम होने लगती है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है। ब्लड शुगर में स्पाइक्स को कंट्रोल करने के लिए आयुर्वेद सदाबहार नाम के फूल का उपयोग करने की सलाह देता है। वैसे सदाबहार का उपयोग आयुर्वेद और चीनी दवाओं में लंबे समय से किया जाता रहा है। यह मधुमेह, मलेरिया, गले में खराश और ल्यूकेमिया जैसी स्थितियों को मैनेज करने के लिए हर्बल ट्रीटमेंट है। विंका रसिया में दो एक्टिव कंपाउंड होते हैं- एल्कोलॉइड और टैनिन। ऐसा माना जाता है कि पौधे में 100 से ज्यादा अल्कलॉइड होते हैं, जिनमें से विन्क्रिस्टाइन और विनब्लास्टाइन अपने औषधीय लाभों के लिए जानेजाते हैं।

शुगर रोगी के लिए सदाबहार को उपयोग करने के तरीके:-

पहला तरीका: सदाबहार की ताजी पत्तियों को सुखाकर पाउडर बना लें और कांच के कंटेनर में भरकर रख लें। मधुमेह को नियंत्रण में रखने के लिए सुबह खाली पेट 1 चम्मच सूखे पत्तों का चूर्ण पानी या ताजे फलों के रस में मिलाकर सेवन करें।

दूसरा तरीका: सदाबहार के पौधे की 3-4 पत्तियों को दिनभर में चबाएं। ताकि अचानक से ब्लड शुगर में वृद्धि न हो पाए।

तीसरा तरीका: ताजे तोड़े गए सदाबहार के फूलों को पानी में उबाल लें। इसे भीगने दें और फिर छान लें। मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए इस कड़वे तरल को सुबह खाली पेट पीएं। ब्लड शुगर लेवल काफी हद तक कम हो जाएगा।

अगर आप डायबिटीज के लिए किसी दवा के साथ इस जड़ी-बूटी को लेने की सोच रहे हैं, तो ब्लड शुगर लेवल के कम होने की संभावना बहुत है। फिर भी ध्यान रखें कि ऐसा करने से पहले किसी डायबिटीज विशेषज्ञ से सलाह ले...प्रकृति में छिपी हुई है हर मर्ज की दवा बस उसे सही तरीके से उपयोग करना है, अनादि काल से ऋषि मुनियों द्वारा इसी पद्धत से ही पूर्ण रूप से मरीज को स्वस्थ कर दिया जाता था...।

श्री शान्ति नाथ भगवान के महामस्तिकाभिषेक के साथ निकाली गई भव्य रथयात्रा

त्रिकाल चौबीस पंचकल्याणक महोत्सव की वर्षगांठ पर हुआ समारोह

भक्तो की भीड़ बता रही है कि आज त्रिकाल चौबीस में महोत्सव हो रहा है: आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के सान्निध्य में हुए श्री शांतिनाथ त्रिकाल चौबीस पंचकल्याणक महोत्सव एव विश्व के इतिहास में पहली बार हुए सप्त गजरथ महोत्सव की वर्षगांठ आज आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भगवान श्री शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ स्वामी के महामस्तिकाभिषेक एवं वृषभ रथयात्रा महोत्सव के साथ श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान भक्तिभाव के साथ मनाई गई। समारोह की शुरूआत शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ मंगलाष्टक के साथ हुई ।

प्रतिष्ठा के बाद से ही देशभर के श्रद्धालु की आस्था का केन्द्र हैं

इस दौरान मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सन 1992 में आज के दिन ही परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के सान्निध्य में ऐतिहासिक सप्त गजरथ अशोकनगर की धरती पर चलने के साथ ही श्री शांतिनाथ त्रिकालचौबीस की प्रतिष्ठा हुइ तब से ही देशभर के श्रद्धालु यहां आकर अपने को धन्य समझते हैं । आज अशोक नगर की पहचान तीर्थ के रूप देशभर की जैन समाजके मध्य जानी जाती हैं।

ध्वजारोहण के साथ हुई समारोह की शुरूआत

युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि हम आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य का पूरा लाभ प्रवचनों के रूप में लेंगे इसके पहले पात्रों का चयन कर लेते हैं पात्र चयन के साथ ध्वजारोहण कमेटी के संयोजक श्रेयांस घेला अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल सहित अन्य प्रमुख जनो दारा किया गया इसके बाद श्रीविद्यासागर सर्वोदय पाठशाला का वार्षिक कलश स्थापन आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के सान्निध्य में किया गया ।जिसका सौभाग्य समाज के महामंत्री राकेश अमरोद, राजेश जैन, बल्लू इंडियन मुकेश कुमार राकेश कुमार अविनाश धुर्रा परिवार द्वारा स्थापित किया गया।

भगवान के मस्तिकाभिषेक के साथ हुई शान्ति धारा

भक्तो की जय जय कार के वीच आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में एवं शैलेन्द्रश्रागर के मंत्रोच्चार के साथ पाडूक शिला पर प्रथम कलश दिलीप कुमार रवि कुमार आकाश पांड्या ने डाला ।वहीं भगवान श्री शांतिनाथ स्वामी पर प्रथम कलश सुरेशचंद्र राजीव कुमार मौसम कुमार चन्देरी कुन्थनाथ स्वामी पर राजेन्द्र कुमार सौरभ कुमार राहुल कुमार मुंहास श्री अरनाथ भगवान पर श्रीमति सूरज बाई परिवार से मुकेश कुमार दीपक कुमार ने भगवान के महा मस्तिकाभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया तद उपरान्त जगत कल्याण की कामना के लिए शान्ति धारा करने वाले में रमेश चंद्र राजेश चन्द्रेश वंसल जयकुमार सिघई आनन्द कुमार ठेकेदार उमेश कुमार कासंल मुकेश कुमार दीपक कुमार रविन्द्र कुमार घाटवमुरिया सहित अन्य भक्तों को सौभाग्य प्राप्त हुआ इसके बाद भगवान के चरणों में अर्घ समर्पित किये गये।

दान में भी औषधि दान का विशेष महत्व होता हैं: आचार्य श्री

इस अवसर पर आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भक्तो की भीड़ भगवान श्री शांतिनाथ स्वामी के चरणों आज महा महोत्सव में उमड़ रही है अशोक नगर शांत शहर है इसमें भी विशाल प्रतिमा श्री शांतिनाथ भगवान की विराजमान हैं सप्त गुणों के साथ नवधाभक्ति पूर्वक दिया गया दान सप्त प्रकार से फलता है मन्दिर को दिया गया दान उपकरण दान में आता है बहुत ही सुन्दर मन्दिर में बैठते ही ऐसा मन लगता है बस एक टक निहारते रहो। उन्होंने कहा कि ऐसे जैसे कोई अक्रतिम जिनालय की तरह इस जिनालय की शोभा है दान के पीछे अभिमान नहीं होना चाहिए तीन खण्ड के अधि पति राजा होकर आहार दान में भी औषधि दान के लिए हमेशा देते थे उनके राज्य में एक मुनि राज पधारें उनके कोई भयानक रोग हो गया इसको देखकर राजा ने राज्य वैध को बुलाकर औषधि इस विधि से दिए कि किसी को पता भी नहीं चला पूरे शहर के सभी चौंके में औषधि दी और मुनि राज का रोग दूर हो गया बैध को सम्मान नहीं मिला तो वैर वाध लिया।

वृषभ रथयात्रा निकाली शहर के प्रमुख मार्गों से

इसके बाद भक्तों की जय जय कार के साथ भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य वृषभ रथयात्रा प्रारंभ हुई जिसमें सारथी के रूप में गौशाला कमेटी के अध्यक्ष दिनेश कुमार मैदापुर वहीं रथ में भगवान को लेकर बैठने का सौभाग्य निर्मल कुमार देरखा कपिल फैशन को मिला वहीं प्रभु को रथयात्रा में चवर डोलने का सौभाग्य राकेश कुमार विवेक कुमार अक्षय कुमार अमरोद को मिला रथयात्रा शान्ति नगर से सुराना पार्क प्रोसेसन रोड गांव मन्दिर पुराना बाजार गांधी पार्क भगवान महावीर मार्ग विद्यासागर दार सुभाष गंज इन्द्रा पार्क वजरिया मोहल्ला होते हुए शान्ति नगर पहुंचकर धर्म सभा में वदल गई जहां भगवान के कलशाभिषेक श्रेयांस घेला नवीन सर निर्मल कुमार देरखा विहिप अध्यक्ष दिनेश मैदापुर द्वारा किया गया इसके साथ ही भगवान की फूलमाला अशोक कुमार राकेश कुमार भैसरवास ज्ञान माल जयवीर कुमार शुभम-कुमार कासंल को प्राप्त हुए ।

ग्लोबल टैक्सटाइल गुरु अवार्ड से सम्मानित हुए जयपुर के अक्षय ठोलिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। टैक्सटाइल ट्रेनिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट ट्रेनिंग एवं बुक्स के लिए विख्यात ट्रेनर एवं लेखक अक्षय ठोलिया को आई आई एफ डी. चंडीगढ़ ने ग्लोबल टैक्सटाइल गुरु अवार्ड से सम्मानित किया क जयपुर के अक्षय ठोलिया विश्व भर में अपनी विशेष टैक्सटाइल ट्रेनिंग कला एवं विश्व स्तरीय उत्कृष्ट बुक्स के लिए चर्चित है । अक्षय ठोलिया ने बताया की उनकी अनूठी ट्रेनिंग शैली को विश्व भर में बहुत पसंद किया जाता हैं जिसमे एक्सपेरेंशिअल लर्निंग (अनुभव के साथ सीखना और समझना) का मुख्य योगदान हैं जिसके माद्यम से 1 लाख से अधिक इंडस्ट्री मेंबर्स, विद्यार्थी एवं टीचर्स को ट्रेंड एवं लाभान्वित कर चुके हैं विमी वंसल, डायरेक्टर, आई आई एफ डी. ने बताया की अक्षय ठोलिया का टैक्सटाइल एवं फैब्रिक्स ट्रेनिंग में नवीनतम एवं रचनात्मक प्रयोगो एवं इनकी लिखी अनूठी बुक्स से ना सिर्फ भारतीय अपितु विश्व भर के इंस्टिट्यूट एवं इस इंडस्ट्री से जुड़े लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इसिलए इन्हे ग्लोबल टैक्सटाइल गुरु अवार्ड से नवाजा गया है।